बिहार में सविनय अवज्ञा आंदोलन के विविध रुप

डॉ० पवन कुमार

असहयोग आंदोलन के पश्चात् महात्मा गाँधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का सूत्रपात किया, जिसका प्रारंभ नमक सत्याग्रह से हुआ। सविनय अवज्ञा आन्दोलन का प्रस्ताव दिसम्बर, 1929 ई. के लाहौर कांग्रेस में पारित हुआ, जिसके सभापति जवाहरलाल नेहरू थे। लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वतंत्रता' का प्रस्ताव पारित हुआ। प्रस्ताव में कहा गया कि कांग्रेस सदस्य भावी चुनावों में भाग न लें तथा केन्द्रीय और प्रांतीय विधान मण्डलों से त्याग–पत्र दे दें। अधिवेशन ने भारतीय कांग्रेस कमिटी को समयानुकूल सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ करने का अधिकार दिया तथा प्रतिवर्ष 26 जनवरी को स्वाधीनता दिवस मनाने का निर्णय किया गया।

लाहौर कांग्रेस के प्रस्ताव के अनुसार सम्पूर्ण भारत में 26 जनवरी, 1930 ई. को स्वाधीनता–दिवस मनाया गया। बिहार में भी बहुत शानदार तरीके से स्वाधीनता दिवस मनाया गया। जगह–जगह राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए तथा विद्यार्थियों ने भी काफी उत्साह के साथ इसमें भाग लिया।